रक्षा सूत्र कार्यक्रम में डॉ. सतीश पूनियां को आदिवासी बहन-बेटियों ने राखी बांधी

सतीश पूनियां ने हजारों आदिवासी माता-बहनों के साथ राखी का पर्व मनाया

- **डूंगरपुर में रक्षा सूत्र कार्यक्रम में माता-बहनों ने डॉ. सतीश पूनियां को अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु और उन्नित का आशीर्वाद दिया**

जयपुर/डूंगरपुर। मेवाड़-वागड़ क्षेत्र के आदिवासी अंचल के डूंगरपुर जिले में रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में रक्षा सूत्र कार्यक्रम पूरे प्रदेश में सकारात्मक तौर पर भाजपा की वागड़ क्षेत्र में मजबूती के तौर पर चर्चाओं में है। इस ऐतिहासिक रक्षा सूत्र कार्यक्रम में शामिल होने भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां राजस्थान के वागड़ क्षेत्र के डूंगरपुर पहुंचे, जहां काफी संख्या में जनजाति माता-बहनों ने उन्हें राखी बांधकर उनके अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु और उन्नित का आशीर्वाद दिया। डूंगरपुर जिला मुख्यालय पर भाजपा पूर्व प्रदेश महामंत्री, पूर्व राज्यमंत्री सुशील कटारा द्वारा रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में आयोजित रक्षासूत्र कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एक हजार से अधिक बहनों ने सतीश पूनिया एवं सुशील कटारा को राखी बांधी। कार्यक्रम मे सागवाडा विधायक शंकरलाल डेचा, जिलाध्यक्ष अशोल पटेल, सभापति अमृत कलासुआ, पूर्व महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अल्का मूंदड़ा इत्यादि नेता व कार्यकर्ता कार्यक्रम में मौजूद रहे।

डॉ. सतीश प्पूनियां ने संबोधित करते हुये कहा कि, पहले बेटियों को अभिशाप की तरह मानते थे, किसी जमाने में बेटियों को गर्भ में मार दिया जाता था, लेकिन मैं यह मानता हूं जिसने पिछले जन्म में अच्छे पुण्य कर्म किए होंगे, उनको बेटी नसीब होती है। मैं खुशनसीब हूं क्योंकि बेटी एक पिता का सबसे बड़ा संबल होती है। उन्होंने कहा कि, एक बहन जब भाई की कलाई पर राखी बांधती है तो दुनिया के बड़े-बड़े आशीर्वाद फीके पड़ जाते हैं, एक मां भले ही उम्रदराज होगी मैं भी देखता हूं कि मेरी 95 वर्षीय मां जब मेरे सिर पर हाथ फेरती हैं तो मुझे लगता है कि दुनिया की सल्तनत मुझे मिल गई, मातृशक्ति किसी भी रूप में हो, जब मैं चुनौतियों से लड़ता था मेरे घर का चूल्हा जलाने का काम और विपरीत परिस्थितियों में मेरे पीछे डटकर खड़े होने वाली कोई थी वह मेरी धर्मपत्नी थी।

पूनियां ने कहा कि,दुनिया में वह हमारा आदिवासी समाज है जो जल जंगल और जमीन की रक्षा करता है, दुनिया ने यह नारा बहुत देर से लगाया लेकिन हमारा आदिवासी समाज सदियों से प्रकृति और संस्कृति का संरक्षण करता आया है, राजस्थान और हिंदुस्तान का इतिहास है कि पेड़ों के रक्षा के लिए अमृता देवी शहीद हो गईं, यह वर्षों पुरानी परंपरा है। मुझे सुखद अनुभूति और बहुत खुशी हुई कि हमारे आदिवासी समाज की बहन बेटियां पढ़ लिखकर तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ रही हैं, और इन्हीं आदिवासी माता बहनों का आज रक्षा सूत्र कार्यक्रम में राखी के रूप में मुझे जो आशीर्वाद मिला वह मुझे नई ऊर्जा और ताकत के साथ कार्य करने की शक्ति प्रदान करता है।

भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां को डूंगरपुर में जनजाति माता-बहनों ने राखी बांधकर आशीर्वाद दिया।

फरार हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे शातिर बदमाश और हिस्ट्रीशीटर कुंदन जाट को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया है कि आरोपी कुंदन जाट थाना सदर क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर है और गंभीर वारदात के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस ने बताया है की बीती 10 जुलाई को सरसिया निवासी नरेश कुमार मीणा आनन्दा होटल पर वेटर का काम कर रहा था। उसी दौरान निलेश बलाई, खाना कीर व 5-6 अन्य आरोपी वहां आए और खाने के बाद भुगतान मांगने पर जातिगत अपमान करते हुए उसके साथ लाठी, डंडों और लात-घूंसे से जानलेवा हमला कर दिया। सिर पर गंभीर चोट आने से प्रार्थी लहूलुहान हो गया। आरोपी जाते-जाते जान से मारने और होटल में आग लगाने की धमकी भी दे गए। इसको लेकर पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला कर जांच शुरू की, जिसके बाद एक आरोपी खाना उर्फ कन्हैयालाल कीर को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। वहीं आरोपी कुंदन जाट फरार था। पुलिस ने विशेष टीम गठित कर मुखबिरों की मदद से कुंदन की लोकेशन ट्रेस की और सदर थाना पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने जुर्म कबूल किया, जिसके बाद उसे कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। पुलिस टीम में पुलिस उपाधीक्षक रविंद कुमार सहित थानाधिकारी महावीर प्रसाद मीणा शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि आरोपी कुंदन जाट एक आदतन अपराधी है, जिसके खिलाफ पुलिस थाना सदर में 11 संगीन आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं और थाने का घोषित हिस्ट्रीशीटर है।

पुलिस ने शातिर बदमाश कुंदन जाट को गिरफ्तार किया।

प्ले स्कूल की बिल्डिंग में आग लगी, बड़ा हादसा टला

- **हादसे के समय नन्हे-मुन्ने बच्चे क्लास रूम में बैठकर खाना खा रहे थे**
- **कुछ ही देर में धुआं ग्राउंड फ्लोर, फर्स्ट फ्लोर और सेकंड फ्लोर में फैल गया**
- **गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई भी बच्चा हताहत नहीं हुआ, सभी सुरक्षित**

अजमेर, (कासं)। धोलाभाटा क्षेत्र में मेयो कॉलेज के पीछे पावर हाउस के पास एक निजी प्ले स्कूल में तीसरी मंजिल पर बुधवार सुबह साढ़े दस बजे अचानक आग लग गई। आग लगने से चंद मिनटों में पूरी बिल्डिंग में घने धुएं से भर गई। उस समय नन्हे-मुन्ने बच्चे क्लास रूम में बैठकर खाना खा रहे थे। कुछ ही देर में धुआं ग्राउंड फ्लोर, फर्स्ट फ्लोर और सेकंड फ्लोर में फैल गया। धुएं की वजह से कक्षाओं में बैठे बच्चों की चीख-पुकार मच गई और स्कूल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। जी प्लस थ्री आवासीय मकान में प्ले स्कूल संचालन किया जा रहा है। गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई भी बच्चा हताहत नहीं हुआ। सभी बच्चे और स्कूल स्टाफ सुरक्षित है। सूचना पर करीब 10 मिनट में फायर ब्रिगेड पहुंच गई और आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार स्कूल की तीसरी मंजिल पर स्कूल संचालक का आवास है। उनका कहना है कि घर के मंदिर में कथित शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। इमारत में वेंटिलेशन सीमित होने से धुआं तीव्र गति से निचली मंजिलों तक आने से कई बच्चों के चेहरे पर भय साफ झलक रहा था, कुछ रोने लगे तो कुछ घबराहट में अपने बैग और टिफिन छोड़कर बाहर की ओर भागे। स्कूल स्टाफ ने बच्चों को तुरंत कक्षाओं से सुरक्षित बाहर निकाला और पास के एक मकान में शिफ्ट किया। इसी बीच सूचना मिलते ही दो दमकलें मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने ऊपरी मंजिल पर लगी आग पर काबू पाया। स्कूल के बाहर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। बच्चों की मदद के लिए आस पास रहने वाले लोग भी पहुंच गए और बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

खबर मिलते ही अभिभावक बदहवास हालत में स्कूल की ओर दौड़ पड़े। कई लोग अपने बच्चों का नाम पुकारते हुए गलियारों में उन्हें तलाशते दिखे। एक महिला अभिभावक ने अपने बच्चे को सकुशल देखकर अपने आंसू पोंछते हुए कहा कि स्कूल से हमारा घर काफी दूर है। जैसे ही आग की बात सुनी तो उनका ब्लड प्रेशर बढ़ गया, हाथ कांपने लगे। रास्ते भर सिर्फ यही डर था कि बच्चे के पास कब तक पहुंच पाऊंगी। कई परिजनों ने राहत की सांस लेते अपने-अपने बच्चों को गले लगा लिया। हैरानी की बात यह ही कि स्कूल प्रबंधन का रवैया अभिभावकों के प्रति रूखा नजर आया।

बिल्डिंग मलिक डॉ. रंजीता तंवर का कहना है कि बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर घर है। शॉर्ट सर्किट होने पर आग मंदिर में लग गई थी, जिससे तुरंत भागते हुए नीचे पहुंची और स्कूल के सारे बच्चों को बाहर निकालकर पास के कैंपस में भिजवा दिया था। स्टाफ को भी बाहर निकाल गया, सभी बच्चे सुरक्षित हैं। घर के अंदर नुकसान हुआ है। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया था।

डीडवाना में मिलावटी खाद्य सामग्री पर कार्रवाई

डीडवाना, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत के निर्देश पर आमजन को शुद्ध एवं गुणवतापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाएं जाने के लिए अभियान के तहत रक्षाबंधन त्योहार को मद्देनजर रखते हुए जिले में कारवाई जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को डीडवाना में जिला रसद विभाग के प्रवर्तन अधिकारी दीपक कुल्हार, प्रवर्तन निरीक्षक विरेंद्र जाखड़ व खाद्य सुरक्षा अधिकारी बाबूलाल की संयुक्त टीम ने रिलायंस मॉल, मित्तल सेल्स, आधार मार्ट व समृद्धि बाज़ार का निरीक्षण कर खाद्य लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन, साफ-सफाई एवं खाद्य सामग्री पर पैकेजिंग तिथि तथा उपयोग दिनांक की जांच की।

इस दौरान मॉल मित्तल सेल्स एवं रिलायंस स्टोर से अवधिपार खाद्य सामग्री जैसे गेहूं का आटा, बिस्कुट, मिक्स सूप, पापड़, हल्दी आदि मिली जिसे मौके पर ही नष्ट करवाया गया तथा फर्म को एफएसएस एक्ट 2006 की धारा 32 का इम्प्रूव नोटिस दिया गया। वहीं काजू, किशमिश, अंजीर व बादाम के नमूने एवं मेसर्स रिलायंस मॉल से घी का नमूना और श्री बालाजी दूध एंड मावा भंडार से 10 लीटर दही नष्ट करवाया गया और घी का नमुना लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला में भिजवाया गया। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई की जायेगी।

मीरा महोत्सव का समापन

मेड़ता सिटी, (निसं)। 521वें मीरा जयंती महोत्सव का रजत रेवाड़ी की शोभायात्रा निकालकर समापन किया गया। मीरा महोत्सव समिति के सचिव रविप्रकाश कमेडिया ने बताया कि रजत रेवाड़ी चारभुजानाथ मंदिर से प्रारंभ होकर सब्जी मंदिर, पड़ाव होते हुये शहर के मुख्य मार्गों से होते पुनः चारभुजानाथ मंदिर पहुंची, जहां पूजा अर्चना के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया। महोत्सव के समापन की पूर्व संध्या पर राजस्थान प्रांत प्रचारक निंबाराम ने कार्यक्रम में शिरकत की। वहीं भजन गायक प्रकाश माली ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर विधायक लक्ष्मणराम कलरू, उपखंड अधिकारी पूनम चोयल, तहसीलदार रामसिंह गुर्जर, पूर्व पालिका अध्यक्ष पवन परतानी, महोत्सव समिति अध्यक्ष जितेंद्र गहलोत, श्याम तिवाड़ी, जगदीश नारायण शर्मा, पूर्व पालिका अध्यक्ष गोतम टाक, विनोद भाटी, नारायण पारिक, अभिमन्यु शर्मा, रवि गहलोत, कैलाश गौड़, राजू भाई माली सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

ऑपरेशन के दौरान बच्चे की किडनी निकालने का आरोप

- **तीन साल के बच्चे के पेट का ऑपरेशन मथुरा में हुआ था, ऑपरेशन के दौरान किडनी निकाली**
- **नौ महीने बाद पेट में दर्द की शिकायत होने पर जब बच्चे को अलवर और जयपुर के हॉस्पिटल में दिखाया तो पता चला कि किडनी ही गायब कर दी**

भरतपुर, (निसं)। यूपी में एक तीन साल के बच्चे के पेट का ऑपरेशन के दौरान किडनी निकाल ली गई। ऑपरेशन के नौ महीने बाद पेट में दर्द की शिकायत होने पर जब बच्चे को अलवर और जयपुर के हॉस्पिटल में दिखाया तो पता चला कि उसकी किडनी ही गायब कर दी गई।

मामला मई 2024 का है, जब मयंक का ऑपरेशन मथुरा के केडी मेडिकल हॉस्पिटल में किया गया था। परिवार डीग जिले के कैथवाड़ा का रहने वाला है। पिता भीमसिंह ने बताया कि बेटे को इंफेक्शन ओर खांसी है। ऐसे में उसका इलाज भरतपुर के जनाना हॉस्पिटल में चल रहा है। पिता का कहना है कि जब उन्हें पता चला कि बेटे की किडनी निकाल ली गई है तो मथुरा में कई अधिकारियों को शिकायत दी। जब कार्रवाई नहीं हुई तो हॉस्पिटल के खिलाफ उपभोक्ता मंच में याचिका लगाई है।

पिता भीम सिंह ने बताया उनके बेटे मयंक के पेट में गांठ थी। इस पर उसे मथुरा के केडी मेडिकल हॉस्पिटल में दिखाया। यहां ऑपरेशन के लिए कहा गया। 30 मई 2024 को ऑपरेशन करवाया गया। इस दौरान करीब 1 लाख रुपए का खर्चा आया। इस ऑपरेशन के 3 दिन बाद बेटे को छुट्टी दे दी गई थी। पेट दर्द होने पर पता चला किडनी गायब है। नौ महीने तक सब कुछ सही चल रहा था। फरवरी 2025 में मयंक के पेट में अचानक दर्द शुरू होने लगा। इस पर उसे अलवर के हरीश हॉस्पिटल लेकर आए। यहां डॉक्टर्स को ऑपरेशन के बारे में बताया गया। यहां ऑपरेशन से पहले हुई सिटी स्कैन की रिपोर्ट दिखाई। इसके बाद वहां अल्ट्रासाउंड सोनोग्राफी करवाई गई, जहां डॉक्टर्स ने बताया कि पेट में लेफ्ट साइड में किडनी नहीं है। पिता ने बताया कि यकीन नहीं हुआ तो जयपुर के जेके लोन हॉस्पिटल गए। यहां रिपोर्ट देखी तो डॉक्टर ने बताया कि ऑपरेशन से पहले दोनों किडनी थी लेकिन इसके बाद किडनी निकाल ली गई।

भीम सिंह ने बताया कि अलवर और जयपुर में दोनों डॉक्टर्स की जांच में पता चला कि बेटे की किडनी निकाल दी गई है। इसके बाद दोबारा मथुरा के केडी हॉस्पिटल पहुंचा। यहां जब मैंने उन्हें बताया कि ऑपरेशन के दौरान मेरे बेटे की किडनी निकाल ली है तो धमकाया गया। वहां से मुझे भगा दिया। इसके बाद मैंने वहां सभी अधिकारियों से हॉस्पिटल को लेकर शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। आखिर 5 महीने पहले मार्च 2025 में मथुरा के कंज्यूमर कोर्ट में हॉस्पिटल के खिलाफ याचिका लगाई है। पिता ने बताया कि अभी इस मामले में केस चल रहा है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। भीम का कहना है कि उसकी आर्थिक स्थिति सही नहीं है। वह गांवों में जाकर सब्जी बेचता है। एक 8 महीने की बेटी भी है। मयंक की हालात वैसे अभी सही है लेकिन खांसी का इलाज भरतपुर के जनाना हॉस्पिटल में चल रहा है। बच्चे का इलाज करने वाली डॉ. चित्रा गुप्ता ने बताया कि मयंक के पिता ने मुझे रिपोर्ट दिखाई थी। एक रिपोर्ट जो ऑपरेशन के पहले की थी उनमें दोनों किडनियां थीं। रिपोर्ट में ये सामान्य भी नजर आ रही है, लेकिन, दूसरी रिपोर्ट में बच्चे की किडनी गायब थी। जहां किडनी होती है, वहां बाहर की तरफ टांके भी लगे हुए थे।

सीएमएचओ डॉ. गौरव कपूर ने बताया कि एक किडनी पर बच्चा या कोई व्यक्ति महिला आसानी से सर्वाइव कर सकते हैं। हालांकि जिसके एक किडनी होती है वह उसके लिए खाना-पीने का ध्यान, संक्रमण से दूर रहना पड़ता है।

मावा कारखाने पर पकड़ा 350 लीटर मिलावटी दूध नष्ट कराया

- **टीम ने रिफाइंड तेल के पीपे, एसएनएफ पाउडर, मिल्क पाउडर के कट्टे बरामद किए**
- **जांच के दौरान परिसर में भारी गंदगी मिली और खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने पर परिसर को सील कर दिया**

किशनगढ़बास, (निसं)। खैरथल-तिजारा जिले की तहसील तिजारा के गांव हमीरका में चल रहे मावा बनाने के कारखाने पर खाघ सुरक्षा की टीम ने आकस्मिक छापा मारकर 350 लीटर ड्रमों के अंदर भरा मिलावटी दूध पकड़ा और उसे मौके पर ही नष्ट कराकर कारखाने को सील किया है। इस दौरान टीम ने मौके पर निरीक्षण के दौरान मिले रिफाइंड तेल के पीपे, एसएनएफ पाउडर, मिल्क पाउडर के कट्टे बरामद किए हैं। यह कारवाई जिले भर में आगामी त्यौहारों को देखकर जिला कलेक्टर किशोर कुमार के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान चलाकर शुरू की गई है।

विभाग की टीम लगातार सैंपलिंग कर मिलावट खोरी करने वालों पर नकेल कसे हुए यह अभियान 9 अगस्त तक चलाया जाएगा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार यादव ने बताया कि त्योहार के सीजन में मिठाइयां बनाने के लिए बड़े पैमाने पर मिलावटी दूध तैयार किया जा रहा था। सूचना के आधार पर खाद्य सुरक्षा विभाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम हमीराका, तहसील तिजारा में छापा मारा। मौके पर आरिफ खान द्वारा मावा बनाने के लिए दूध में मिलावट की जा रही थी। टीम ने मोबाइल फूड टेस्टिंग वैन से मौके पर ही दूध की जांच की, जिसमें आंशिक मिलावट की पुष्टि हुई। छापे के दौरान रिफाइंड तेल के पीपे, एसएनएफ पाउडर, मिल्क पाउडर के कट्टे बरामद किए गए। ये सभी सामग्री दूध में मिलावट और फैट बढ़ाने के लिए उपयोग की जाती है। मौके से लिए गए दूध और मावा के नमूने खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। वहीं, मिलावटी व बदबूदार दूध को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। जांच के दौरान परिसर में भारी गंदगी पाई गई और खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा था, जिसके चलते परिसर को सील कर दिया गया। कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार, उपनिरीक्षक लोकेश (थाना अधिकारी, शेखपुर अहीर), महिपाल सिंह, सुभाष यादव, रमेश शर्मा, हेमराज, सुंदर सहित टीम के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

एलिवेटेड रोड के पिलर से पिकअप मिनी कंटेनर टकराया

अजमेर, (कासं)। स्टेशन रोड माल गोदाम के सामने बुधवार दोपहर एक पिकअप मिनी कंटेनर एलिवेटेड रोड के पाइलिंग पियर से टकरा गया। कंटेनर के ठीक पीछे चल रहा टैंपो भी अचानक ब्रेक लगने से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में दोनों वाहनों को काफी नुकसान हुआ है। दोनों वाहनों के चालकों के चोटें आई हैं। घटना के बाद कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने क्रेन मंगाकर वाहन को साइड में कराया और यातायात को सूचारू किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पियर की क्लीयरेंस हाइट कम है और जगह-जगह ऊंचाई संकेतक-चेतावनी बोर्ड नहीं लगाए गए हैं। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि ड्राइवर पियर की ऊंचाई का अंदाजा नहीं लगा पाते, इसलिए अक्सर ऐसे टच-डाउन हो जाते हैं। लोगों ने बताया कि चालक वाहन को मोड़ने के लिए जैसे ही पियर के करीब आया और एकाएक ऊंचाई का अनुमान नहीं लगा पाया।

परिजनों और ग्रामीणों का प्रदर्शन

बीकानेर, (निसं)। सरकारी स्कूल के लेक्चरर (टीचर) ने 11वीं की छात्रा को लव लेटर दे दिया। छात्रा ने इसकी जानकारी परिजन को दी तो हंगामा हो गया। छात्रा के पेरेंट्स और ग्रामीण बुधवार सुबह स्कूल पहुंचे। स्कूल के गेट को ताला लगाकर प्रदर्शन किया।

हंगामे की सूचना पर पुलिस पहुंची और ग्रामीणों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी किशनदान चारण ने लेक्चरर को सस्पेंड कर दिया। टीचर का मुख्यालय भी डूंगरपुर कर दिया है। मामला खाजूवाला के दंतौर थाना इलाके का है। जानकारी के अनुसार, टीचर ने मंगलवार को छात्रा को लव लेटर दिया था। छात्रा ने इस लव लेटर की सूचना परिजनों को दी। परिजन ने इसकी शिकायत स्कूल प्रबंधन को दी। स्कूल ने शाम को माध्यमिक शिक्षा निदेशालय को इसकी शिकायत भेजी। वहीं, बुधवार सुबह परिजन और ग्रामीण स्कूल के बाहर पहुंच गए। आरोपी टीचर को निलंबित करने की मांग करने लगे। सुनवाई न होने पर स्कूल का गेट बंद कर ताला लगा दिया और धरने पर बैठ गए। इसके बाद स्कूल के बच्चों के पेरेंट्स भी वहां पहुंच गए।

स्मार्ट मीटर और निजीकरण के खिलाफ ग्रामीणों व किसानों का प्रदर्शन

- **प्रदर्शनकारियों ने स्मार्ट मीटर को गरीब किसान, मजदूर और मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा हमला बताया**

पाटन, (निसं)। बिजली उपभोक्ता संघर्ष समिति ने सहायक अभियंता कार्यालय चला पर धरना प्रदर्शन किया। धरने में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों, किसानों व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने बिजली के निजीकरण, स्मार्ट मीटरों की अनिवार्यता, अघोषित कटौती और क्षेत्रीय समस्याओं के खिलाफ छह सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। सभा की अध्यक्षता पूर्व सरपंच बीरबल काजला व जगदीश सैनी ने की, जबकि संचालन ओमप्रकाश सैनी (संयोजक, बिजली उपभोक्ता संघर्ष समिति) ने किया।

माकपा सचिव कॉ. गोपाल सैनी ने कहा कि स्मार्ट मीटर गरीब किसान, मजदूर और मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा हमला है। इसे अडानी-अंबानी जैसे पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए लाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ठेकेदार के कर्मचारी जबरन स्मार्ट मीटर लगाने गांव आए, तो जनता उन्हें वापस लोटा देगी। सभा में वक्ताओं ने मांग की कि जेईएन गुहाला को अनिवार्य रूप से गुहाला जेईएन ऑफिस में बैठने की व्यवस्था की जाए। नांगल पावर हाउस से बार-बार होने वाले फॉल्ट से जनता त्रस्त है, इसलिए गुहाला जीएसएस को चौकड़ी जीएसएस से जोड़ा जाए। रास्तों में खड़े क्षतिग्रस्त बिजली खंभों को भी तत्काल हटाने की मांग की गई। संघर्ष समिति ने 30 अगस्त तक चलने वाले हस्ताक्षर अभियान की घोषणा की है। घर-घर जाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। आठ अगस्त को नीमकाथाना ग्रामीण एईएन कार्यालय का घेराव भी प्रस्तावित है।

ओमप्रकाश सैनी और विजय सिंह गजराज के नेतृत्व में 18 सदस्यीय बिजली उपभोक्ता संघर्ष समिति का गठन किया गया, जो आगामी आंदोलनों की रणनीति तय करेगी। धरने में कॉ. ओमप्रकाश यादव, रोशन लाल गुर्जर, सुरेंद्र खोखर, फूलचंद सैनी, जेपी वर्मा, गणपत राम मिठारवाल, पवन मील सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया। ज्ञापन की मुख्य मांगे जिसमें स्मार्ट मीटर लगाने की योजना रद्द हो, बिजली निजीकरण पर रोक लगे, जेईएन गुहाला को गुहाला जेईएन ऑफिस में बैठने की व्यवस्था हो, गुहाला जीएसएस को चौकड़ी से जोड़ा जाए, क्षतिग्रस्त और रास्ते में खड़े खंभे हटाए जाएं, अघोषित बिजली कटौती बंद हो। धरने में श्रवण यादव, हरिसिंह कुड़ी, कैलाश सैनी, रमेश सैनी, सुरेश सैनी, शिवराम लांबा, सूबेदार रामकुमार आदि ग्रामीण उपस्थित रहे।

बिजली उपभोक्ता संघर्ष समिति ने सहायक अभियंता कार्यालय चला पर धरना दिया।

स्मार्ट मीटर लगाने विरोध जारी

डीडवाना, (निसं)। प्रदेशभर में लगाए जा रहे बिजली के स्मार्ट मीटर का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को लाडनूं विधायक मुकेश भाकर के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने जिला कलेक्ट्रेट का घेराव किया। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया साथ ही कलेक्ट्रेट में जबरन घुसने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद विधायक ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत को ज्ञापन सौंपकर स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की। विधायक मुकेश भाकर ने उपभोक्ताओं के घरों में जबरन बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध करते हुए कहा कि बिजली कंपनियाँ केंद्र सरकार व राज्य सरकार के इशारे पर स्मार्ट मीटर लगा रही है, जबकि सभी उपभोक्ताओं के घरों में पहले से ही डिजिटल मीटर लगे हुए हैं, ऐसे में स्मार्ट मीटर लगाने की क्या जरूरत है? उन्होंने कहा कि यह कदम अनावश्यक है, जिससे करोड़ों मीटर बर्बाद होंगे और अरबों रुपये के स्मार्ट मीटर लगाकर कंपनियों व ठेकेदारों की जेबें भरी जाएंगी। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर अब खुली छूट को बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन किसान वर्ग इसका पूर्ण विरोध करेगा।

चेक अनादरण के मामले में आरोपी दोषमुक्त

तारानगर, (निसं)। तारानगर न्यायिक मजिस्ट्रेट अजयदीपसिंह की अदालत ने चेक अनादरण के एक मामले में निर्णय पारित करते हुए तारानगर के कस्बे के गांव रेवासी निवासी ताराचंद पुत्र जसूराम को दोषमुक्त कर चेक रिटर्न मेमो के साथ छेड़छाड़ करने वाले के विरुद्ध कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं।

परिवादी की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता योगेश जैन ने बताया कि परिवादी तारानगर के दिनेश कुमार पुत्र लखनराम द्वारा ताराचंद के विरुद्ध चेक अनादरण का मामला दर्ज करवाया था दोनों पक्षों की साक्ष्य के उपरांत न्यायालय द्वारा ताराचंद को दोषमुक्त किया है। यह फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अदालत ने इस मामले में चेक रिटर्न मेमो के साथ छेड़छाड़ करने वाले के विरुद्ध कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। बचाव पक्ष ने अदालत में यह तर्क दिया कि परिवादी से आरोपी ने कोई ऋण नहीं लिया परिवादी ने चैक का दुरुपयोग कर मामला पेश किया।

चेक रिटर्न मेमो के साथ छेड़छाड़ की गई है। अदालत ने साक्ष्य और गवाहों के बयानों को ध्यान से सुना। अदालत ने यह पाया कि परिवादी एक वैध ऋण के अस्तित्व को साबित करने में असफल रहा है। परिवादी ने न तो ऋण देने की कोई तारीख माह व वर्ष बताया और ना ही यह बताया कि उसने कितनी मूल राशि ऋण के रूप में दी। इसके अलावा अदालत ने इस बात पर भी ध्यान दिया कि परिवादी ने खुद यह स्वीकार किया है कि वह पैसे ब्याज पर देने का काम नहीं करता तथा उसका मनी लॉन्ड्रिंग का लाइसेंस नहीं बना हुआ तथा उसे राशि दिए जाने का समय याद नहीं है।

इसके अतिरिक्त अदालत ने परिवादी द्वारा प्रस्तुत चेक रिटर्न मैमो व चेक रिटर्न रजिस्टर में काट-छांट की गई होने से भी प्रकरण को विश्वसनीय नहीं माना। अदालत ने अपने फैसले में परिवादी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य में भी कई विसंगतियां पाई, इसलिए अदालत ने अभियुक्त को बरी कर दिया व चेक रिटर्न मैमो व चेक रिटर्न रजिस्टर में चेक के अनादरण की दिनांक के साथ काट-छांट करने वाले के विरुद्ध कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं ताराचंद की ओर से पैरवी अधिवक्ता योगेशचंद जैन ने की थी।